Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

➢ चर्चा में क्यों ?

- 28 फरवरी को प्रतिवर्ष भारत में "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के रूप में मनाया जाता है।
- 28 फरवरी को ही भारत के भौतिकी वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन ने एक नए तरीके से प्रकाश की खोज की थी, जिसे "रमन प्रभाव" के रूप में जाना जाता है।
- 28 फरवरी 1928 को सर चंद्रशेखर वेंकट रमन द्वारा प्रकाश की नए तरीके की खोज के लिए इन्हें वर्ष 1930 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।
- भारत में काम करने वाले किसी भी भारतीय द्वारा जीता गया यह एकमात्र विज्ञान का नोबेल पुरस्कार है।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित व प्रेरित करना तथा जनसाधारण को विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है।
- वर्ष 2025 के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम "विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना" है।

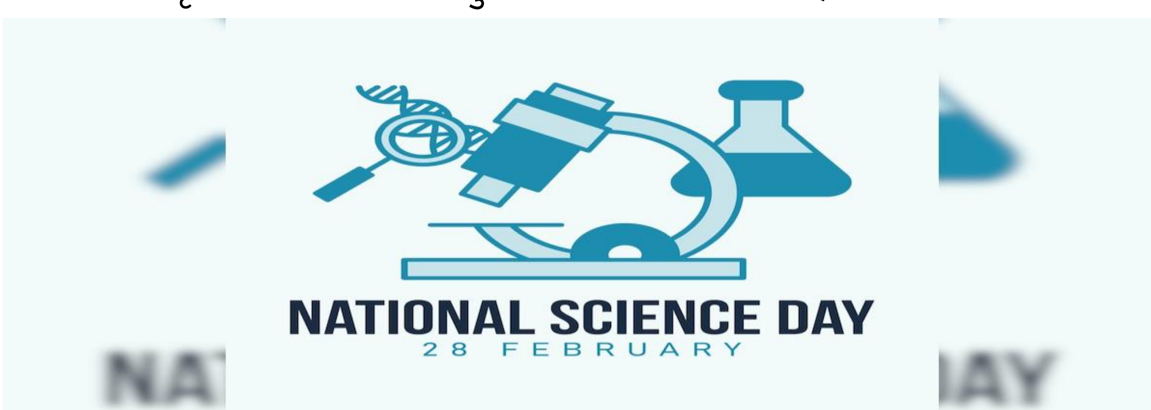

➢ राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने की शुरुआत कब से हुई ?

- नेशनल काउंसिल ऑफ़ साइंस म्यूजियम (NCSM) के अनुसार सर्वप्रथम वर्ष 1986 में "नेशनल काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी कम्युनिकेशन" ने भारत सरकार से 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए कहा जिसे भारत सरकार ने स्वीकार कर लिया।
- पहली बार "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" 28 फरवरी 1987 को मनाया गया और तब से लेकर अब तक 28 फरवरी को भारत "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के रूप में मनाता है।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवलोकन का मूल उद्देश्य विज्ञान के महत्व के संदेश को जनमानस के बीच फैलाना है।

➢ सर चंद्रशेखर वेंकट रमन :

- सर चंद्रशेखर वेंकट रमन जिन्हें सी.वी. रमन के नाम से भी जाना जाता है, का जन्म 7 नवंबर 1888 ई. को तिरुचिरापल्ली (मद्रास प्रेसीडेंसी) में हुआ था।
- तमिल ब्राह्मण परिवार में जन्मे सी.वी. रमन बचपन से ही असाधारण प्रतिभा के धनी थे, जिन्होंने 16 वर्ष की आयु में ही मद्रास विश्वविद्यालय से भौतिकी में स्नातक की डिग्री प्राप्त की।
- अपने स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने प्रकाश के विवर्तन पर अपना पहला शोध पत्र तैयार किया जो वर्ष 1906 में प्रकाशित हुआ।
- वर्ष 1926 में सी.वी. रमन ने "इंडियन जर्नल ऑफ़ फिजिक्स" की स्थापना की।
- वर्ष 1933 में इन्होंने "भारतीय विज्ञान संस्थान" की स्थापना बेंगलोर (कर्नाटक) में की।
- वर्ष 1948 में इन्होंने "रमन अनुसंधान संस्थान" की स्थापना की जहां उन्होंने अंतिम दिनों तक काम किया।

➢ "रमन प्रभाव" क्या है ?

- रमन प्रभाव फोटोन कणों के लचीले वितरण के बारे में है।

- रमन प्रभाव के अनुसार जब कोई एकवर्णी प्रकाश किसी द्रव्य या ठोस वस्तुओं से टकराता है तो यह उस वस्तु के अणुओं के साथ ऊर्जा का आदान-प्रदान करता है जिससे उसमें आपतित प्रकाश के साथ बहुत ही कम तीव्रता का कुछ अन्य वर्णों का प्रकाश देखने में आता है जो अलग-अलग रंग का होता है।
- सी.वी. रमन को "रमन प्रभाव" की खोज की प्रेरणा महासागरों की नीले रंग से मिली जो पानी के अणुओं द्वारा सूर्य के प्रकाश के बिखरने का परिणाम है।
- इसी प्रकार आकाश का नीला रंग भी हवा के अणुओं द्वारा सूर्य के प्रकाश के बिखरने का एक परिणाम है।
- वर्ष 1921 में अपनी लंदन यात्रा से वापसी के दौरान भूमध्य सागर के नीले रंग ने उनका ध्यान आकर्षित किया जो "रमन प्रभाव" नामक महान खोज के लिए एक प्रेरणा के रूप में था।

➢ रमन प्रभाव के अनुप्रयोग :

- रमन प्रभाव के माध्यम से किसी पदार्थ द्वारा चाहे वह ठोस, द्रव्य या गैस द्वारा प्रकाश के बिखर के तरीके से वस्तुओं की संरचना का पता लगाया जा सकता है।
- रमन प्रभाव के माध्यम से किए जाने वाले अनुप्रयोग निम्न है :–

1. औषधियों, पेट्रोकेमिकल और प्रसाधन सामग्रियों के निर्माण प्रक्रमों का अध्ययन।
2. किसी पैकेट्स या बक्से को बिना खोले उसके अंदर के विशिष्ट पदार्थों का डिटेक्शन।
3. पेंट उद्योग में पेंट के सूखने में रासायनिक अभिक्रिया का अवलोकन।
4. हानिकारक या रेडियो एक्टिव पदार्थों का दूर से ही सुरक्षित अध्ययन।
5. भू–गर्भशास्त्र और खनिज वैज्ञानिकों द्वारा रत्नों और खनिजों की पहचान।
6. हीरों की गुणवत्ता और गुणों का अध्ययन।
7. डीएनए/आरएनए के संश्लेषण में।
8. चंद्रमा पर पानी होने की पुष्टि "रमन प्रभाव" के माध्यम से ही की गई थी।

- इस भाषाई जनगणना में हिंदी भाषा जानने वाले लोगों के संदर्भ में लगभग 13.2 करोड़ लोगों (11 प्रतिशत) ने हिंदी को अपनी दूसरी भाषा के रूप में चुना।
- इस प्रकार भारत में हिंदी जानने वाले लोगों की कुल आबादी लगभग 55% है।

➢ मुंशी अयंगर फार्मूला और हिंदी दिवस :

- प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को "हिंदी दिवस" के रूप में मनाया जाता है।
- भारत की संविधान सभा ने हिंदी को देश की आधिकारिक भाषा के रूप में चुना।
- भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में उर्दू के साथ हिंदी और संस्कृत को भी प्रस्तावित किया गया था।
- मुंशी–अयंगर फार्मूला का नाम इस समिति के सदस्य के एम मुंशी और एन गोपालास्वामी अयंगर के नाम पर रखा गया था।
- मुंशी–अयंगर फार्मूले के हिस्से के रूप में वर्ष 1950 में अपनाए गए संविधान के अनुच्छेद–343 में निम्न बातें कही गई–

1. संघ की आधिकारिक भाषा देवनागरी लिपि में हिंदी होगी।
2. संविधान के शुरू होने से 15 वर्ष की अवधि के लिए अंग्रेजी भाषा का उपयोग संघ के सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

- जब 15 वर्ष की अवधि समाप्त हो गई तो गैर–हिंदी बोलने वाले भारत के बड़े हिस्सों में विशेष रूप से तमिलनाडु में हिंदी को थोपने के डर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया।
- इस विरोध के परिणामस्वरुप केंद्र सरकार द्वारा "आधिकारिक भाषा अधिनियम" पारित किया गया।
- इस अधिनियम में कहा गया कि अंग्रेजी को हिंदी के साथ आधिकारिक भाषा के रूप में बरकरार रखा जाएगा।

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.
Result Mitra
1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹
कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806